राज्यों के पूंजीगत व्यय हेतु विशेष सहायता योजना

drishtiias.com/hindi/printpdf/scheme-for-special-assistance-to-states-for-capital-expenditure

चर्चा में क्यों?

तमिलनाडु को छोड़कर सभी राज्यों ने "राज्यों के पूंजीगत व्यय हेतु विशेष सहायता योजना" का लाभ उठाया है।

इस योजना की घोषणा वित्त मंत्रालय ने **'आत्मनिर्भर भारत पैकेज'** के तहत की थी।

प्रमुख बिंदु:

- **पृष्ठभूमि:** केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज' के तहत घोषणा की थी कि वह राज्यों के लिये 50 वर्षों हेतु **12,000 करोड़ रुपए के विशेष ब्याज मुक्त ऋण** की पेशकश करेगी (विशेष रूप से पूंजीगत व्यय के लिये)।
- **उद्देश्य:** इस योजना का उद्देश्य उन राज्य सरकारों के पूंजीगत व्यय को बढ़ाना है, जो COVID-19 महामारी के कारण कर राजस्व में हुई कमी की वजह से इस वर्ष कठिन वित्तीय परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।
- **तीन भाग:**
  - **भाग–I** में उत्तर पूर्वी क्षेत्र शामिल हैं (निर्धारित राशि 200 करोड़ रुपए)।
  - **भाग-II** अन्य सभी राज्यों के लिये (निर्धारित राशि 7500 करोड़ रुपए)।
  - **भाग-III** के तहत योजना का उद्देश्य राज्यों में विभिन्न नागरिक केंद्रित सुधारों को आगे बढ़ाना है।
    - भाग-III के तहत 2000 करोड़ रुपए निर्धारित किये गए हैं।
    - यह राशि केवल उन राज्यों के लिये उपलब्ध होगी जो वित्त मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट चार अतिरिक्त सुधारों में से कम-से-कम तीन सुधारों को कार्यान्वित करते हैं।
    - **ये चार सुधार हैं :** एक राष्ट्र एक राशन कार्ड, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस, शहरी स्थानीय निकाय / उपयोगिता सुधार और बिजली क्षेत्र में सुधार।
- **वर्तमान स्थिति:**
  - वित्त मंत्रालय ने 27 राज्यों के पूंजीगत व्यय प्रस्तावों के तहत **9,879.61 करोड़ रुपए** अनुमोदित किये हैं।
    इसमें से पहली किश्त के रूप में 4,939.81 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं।
  - स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, जल आपूर्ति, सिंचाई, बिजली, परिवहन, शिक्षा, शहरी विकास जैसे **विविध क्षेत्रों में पूंजीगत व्यय परियोजनाओं को** मंज़ूरी दी गई है।

पूंजीगत व्यय

- **परिभाषा:**
    - पूंजीगत व्यय मशीनरी, उपकरण, भवन, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा आदि के विकास पर **सरकार द्वारा खर्च किया गया धन** है।
    - पूंजीगत व्यय पूँजी निवेश के रूप में गैर- आवर्ती प्रकार के व्यय होते हैं।
    - इस प्रकार के व्यय में अर्थव्यवस्था की उत्पादक क्षमता में सुधार की उम्मीद होती है।
    - पूंजीगत व्यय में निम्न मदें शामिल हैं- निवेश, ऋण भुगतान, ऋण वितरण, शेयरों की खरीद, भूमि, भवन, मशीनों और उपकरणों पर व्यय आदि।
- **पूंजीगत व्यय के लाभ:**
    - पूंजीगत व्यय जो कि परिसंपत्तियों के निर्माण को बढ़ावा देता है, प्रकृति में दीर्घकालिक होते हैं, इसके अलावा उत्पादन हेतु सुविधाओं में सुधार कर और परिचालन दक्षता को बढ़ाकर यह **कई वर्षों तक राजस्व उत्पन्न** करने की क्षमता प्रदान करता है।
    - यह **श्रम भागीदारी भी बढ़ाता** है, अर्थव्यवस्था को संतुलित करता है और भविष्य में अधिक **उत्पादन करने की क्षमता प्रदान करता** है।
- **राजस्व व्यय से भिन्नता:**
    - राजस्व व्यय से अभिप्राय सरकार द्वारा एक वित्तीय वर्ष में किये जाने वाले उस अनुमानित व्यय से है जिसके फलस्वरूप न तो परिसंपत्तियों का निर्माण हो और न ही देयताओं में कमी आए।
    - राजस्व व्यय आवर्ती प्रकार के होते हैं जो साल-दर साल किये जाते हैं। उदाहरणत: ब्याज अदायगी, सब्सिडी, राज्यों को अनुदान, सरकार द्वारा दी जाने वाली वृद्धावस्था पेंशन, वेतन, छात्रवृति इत्यादि।

स्रोत: **PIB**